पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री की उपस्थिति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 05 सरसंघचालकों पर आधारित पुस्तकों का लोकार्पण किया गया

सरसंघचालकों पर आधारित पुस्तकों का लोकार्पण दीपावली के तोहफे के समान : राज्यपाल

इन पुस्तकों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास की प्रामाणिक जानकारी मिलेगी : मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्रधर्म के पालन के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करता है

संघ ने कई उज्ज्वल परम्पराओं को स्थापित किया : श्री अमित शाह

संघ के अनेक स्वयंसेवक विभिन्न क्षेत्रों में समाज का नेतृत्व कर रहे हैं

लखनऊ : 10 अक्टूबर, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक जी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की उपस्थिति में आज यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 05 सरसंघचालकों पर आधारित पुस्तकों का लोकार्पण सांसद श्री अमित शाह द्वारा किया गया।

यह पुस्तकें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक एवं प्रथम सरसंघचालक डॉ0 केशवराव हेडगेवार, द्वितीय सरसंघचालक श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवरकर 'श्रीगुरुजी', तृतीय सरसंघचालक श्री बालासाहब देवरस, चतुर्थ सरसंघचालक प्रो0 राजेन्द्र सिंह 'रज्जू भैया' तथा पांचवे सरसंघचालक श्री सुदर्शन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केन्द्रित हैं।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालकों पर आधारित पुस्तकों का

लोकार्पण दीपावली के तोहफे के समान है। इन पुस्तकों के पाठकों को विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन के प्रारम्भ होने से लेकर वर्तमान समय तक की प्रगति और उत्थान की जानकारी मिलेगी।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इन पुस्तकों के प्रकाशन से न केवल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास के बारे में प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध होगी, बल्कि संघ के विषय में प्रचलित भ्रान्त धारणाओं का निवारण भी होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वर्ष 1925 से लगातार तमाम सम–विषम परिस्थितियों के बावजूद स्वतः स्फूर्त भाव से देश के प्राचीन आदर्शों, मूल्यों आदि को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है।

योगी जी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व्यक्तिवादी, परिवारवादी और किसी धर्म विशेष के प्रति आग्रही न बनने की सीख देता है और एक ही धर्म, राष्ट्रधर्म के पालन के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ वर्तमान में दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है। विश्व में कोई भी अन्य स्वयंसेवी संगठन ऐसा नहीं है, जो बिना किसी सरकारी सहयोग के इतने प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा हो। आज इस संस्था के अनेक संगठन और सेवा प्रकल्प देश और समाज को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

सांसद श्री अमित शाह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पांचों पूर्व सरसंघचालकों के जीवन चरित्र का लोकार्पण हम सभी के लिए सौभाग्य का दिन है। वर्ष 1925 से लेकर वर्ष 2017 की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यात्रा अनेक उतार–चढ़ाव से भरी हुई है। अभी तक संघ पर 03 बार प्रतिबन्ध लग चुका है। अपनी यात्रा में जितनी कठिनाई राष्ट्रीय

स्वयंसेवक संघ के सामने आयी है, उतनी किसी अन्य संगठन को नहीं देखनी पड़ी।

श्री शाह ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में कभी भी व्यक्ति का महत्व नहीं रहा। यह परम्परा अभी भी कायम है। संघ से निकले अनेक स्वयंसेवक आज विभिन्न क्षेत्रों में समाज का नेतृत्व कर रहे हैं। संघ ने कई उज्ज्वल परम्पराओं को स्थापित किया है। विश्व की यह अद्वितीय संस्था है, जिसमें चन्दा नहीं लिया जाता। संघ द्वारा स्वयंसेवकों के मजबूत शरीर और दृढ़ मन पर बल दिया जाता है, क्योंकि बिना मजबूत शरीर के मन दृढ़ नहीं हो सकता। बिना दृढ़ मन के आत्मा सुदृढ़ नहीं हो सकती और राष्ट्र सेवा के लिए शरीर, मन और आत्मा तीनों का सुदृढ़ होना आवश्यक है।

कार्यक्रम को प्रो0 भगवती प्रकाश शर्मा एवं श्री बल्देव भाई शर्मा ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के अन्त में प्रभात प्रकाशन के श्री प्रभात कुमार ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य सहित प्रदेश मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्य, सांसद डॉ0 महेन्द्रनाथ पाण्डेय, अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Books Launch-10 October, 2017